मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय,
पूसा, समस्तीपुर, बिहार - 848125

मन की बात

80वां संस्करण
29th अगस्त 2021,

संरक्षक :

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :

डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु.पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क: www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

विश्वविद्यालय का गौरवशाली क्षण

हमारा देश जब आज़ादी का 75वां 'स्वतंत्रता दिवस-आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है तब डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. के गौरव में एक अभूतपूर्व उपलब्धि जुड़ा, जब दिनांक 29.08.2021 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने विश्वविद्यालय द्वारा परिकल्पित एवं विकसित सुखेत मॉडल की चर्चा एवं प्रशंसा मन की बात कार्यक्रम के 80वें संस्करण में राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान की। माननीय प्रधानमंत्री जी सुखेत मॉडल के प्रबंधन से अत्यधिक प्रभावित हुए और उन्होंने सुझाव दिया, कि इसे पूरे भारत में पंचायत स्तर पर विस्तारित एवं अपनाया जाना चाहिए है। मोदी जी ने इस बात पर भी जोर दिया कि सुखेत मॉडल पर्यावरण के अनुकूल, प्रदूषण मुक्त मॉडल है, जो गांवों में स्वच्छता अभियान को बढाने में सहायक सिद्ध होगा । इस प्रकार यह मॉडल "स्वच्छ भारत अभियान" को भी बढ़ावा देता है और इसलिए इसे देश भर में लागू करने की आवश्यकता पर बल देना चाहिए । सुखेत मॉडल अपशिष्टों के बायोडिग्रेडेबल प्रबंधन के बदले गैस सिलेंडर की आपूर्ति करके ग्रामीणों के खाना पकाने के ईंधन की समस्याओं को दूर करने के विषय से सम्बन्धित है। यह गाँवों की सफाई के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के प्रयोग को भी बढ़ावा देता है। एकत्र किए गए जैव- अपशिष्टों से कृषि विज्ञान केन्द्र की अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों में वर्मीकम्पोस्ट तैयार किया जाता है तत्पश्चात गांव में खेतों की मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार के लिए न्यूनतम मूल्य पर स्थानीय किसानों को इसकी आपूर्ति की जाती है तथा गैर-बायोडिग्रेडेबल अपशिष्टों को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया जाता है। इसलिए, यह मॉडल अपशिष्ट प्रबंधन, मिट्टी की उर्वरता प्रबंधन, खाना पकाने के ईंधन प्रबंधन और स्वच्छता प्रबंधन के लिए लागत प्रभावी तरीके का एक स्थाई एवं एकीकृत समाधान है।

माननीय प्रधानमंत्री के मन की बात में सुखेत मॉडल

मन की बात में माननीय प्रधानमंत्री का सुखेत मॉडल पर उद्बोधन:

"साथियो, मेरे सामने एक उदाहरण बिहार के मधुबनी से आया है। मधुबनी में डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय और वहाँ के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र ने मिलकर के एक अच्छा प्रयास किया है। इसका लाभ किसानों को तो हो ही रहा है, इससे स्वच्छ भारत अभियान को भी नई ताकत मिल रही है। विश्वविद्यालय की इस पहल का नाम है – "सुखेत मॉडल" । सुखेत मॉडल का मकसद है गाँवों में प्रदूषण को कम करना। इस मॉडल के तहत गाँव के किसानों से गोबर और खेतों–घरों से निकलने वाला अन्य कचरा इकट्ठा किया जाता है और बदले में गाँव वालों को रसोई गैस सिलेंडर दिया जाता हैं। जो कचरा गाँव से एकत्रित होता है उसके निपटारे के लिए वर्मी कम्पोस्ट बनाने का भी काम किया जा रहा है। यानी सुखेत मॉडल के चार लाभ तो सीधे-सीधे नजर आते हैं। एक तो गाँव को प्रदूषण से मुक्ति, दूसरा गाँव को गन्दगी से मुक्ति, तीसरा गाँव वालों को रसोई गैस सिलेंडर के लिए पैसे और चौथा गाँव के किसानों को जैविक खाद। आप सोचिए, इस तरह के प्रयास हमारे गाँवों की शक्ति को कितना ज्यादा बढ़ा सकते हैं। यही तो आत्मनिर्भरता का विषय है। मैं देश की प्रत्येक पंचायत से कहूंगा कि ऐसा कुछ करने का वो भी अपने यहाँ जरुर सोचें। और साथियो, जब हम एक लक्ष्य लेकर निकल पड़ते हैं न तो नतीजों का मिलना निश्चित होता है"

कुलपति महोदय का संदेश

डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

अगस्त महीना विश्वविद्यालय के लिए एक यादगार और सराहनीय महीना रहा। एक तरफ जब हम 75वां 'स्वतंत्रता दिवस-आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे थे वहीँ दूसरी तरफ 29 अगस्त 2021 को माननीय प्रधान मंत्री की मन की बात में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सुखेत मॉडल का उल्लेख विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में हासिल हुआ। प्रधानमंत्री ने 'सुखेत मॉडल' की सराहना की जिससे चार स्पष्ट लाभ - प्रदूषण मुक्त गांव, गंदगी और कचरे से मुक्त गांव, गाय के गोबर और बायो-डिग्रेडेबल कचरा के बदले एल.पी.जी सिलेंडर की उपलब्धता और वर्मी कंपोस्ट का निर्माण परिलक्षित होता है। उन्होंने भारत की प्रत्येक पंचायत को इस तरह के मॉडल को अपनाने का सुझाव भी दिया। मुझे लगता है कि, यह मॉडल मुद्रीकरण का एक अनूठा मॉडल है जो भारत के प्रधानमंत्री के तीन दूरदर्शी अभियान 'स्वच्छ भारत अभियान', उज्ज्वला योजना और आत्म-निर्भार भारत के उद्देश्यों में संकल्पित होता है ।

हमारे प्रयासों की सराहना करने और किसान समुदाय की सेवा हेतु हमें प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय माननीय प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद और आभार व्यक्त करता है। मैं विश्वविद्यालय के प्रत्येक सदस्य को इस ऐतिहासिक उपलब्धि में उनके योगदान के लिए धन्यवाद एवं बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वे अकादमिक और अनुसंधान उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर कठिन परिश्रम जारी रखेंगे।

सुखेत मॉडल की संकल्पना

अपशिष्ट एकत्रीकरण एवं संसाधन

250 मिट्रिक टन क्षमता वाले वर्मी कम्पोस्ट यूनिट का निर्माण

वर्मी कम्पोस्ट का विपणन

कृषक परिवारों में L.P.G गैस का सहयोग

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 03.08.2021. को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के प्रबंधन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की ।
- दिनांक 09.08.2021 को केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों (सी.ए.यू) की समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 11. 08. 2021 को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में "सुरा ताल पारिस्थितिकी तंत्र का कायाकल्प और आर्थिक उपयोग" पर ब्रेन स्टॉर्मिंग सत्र में एक व्याख्यान दिया।
- दिनांक 15 अगस्त 2021 को देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित किया ।
- दिनांक 17.08.2021 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में मध्य गंगा के मैदानी भागों में बागवानी, पशुपालन तथा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु लिए गठित टास्क फोर्स समिति की बैठक की अध्यक्षता की ।
- दिनांक 18.08.2021 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय , ढोली के स्थापना दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 18.08.2021 को गन्ना किसानों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।
- दिनांक19.08.2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, लखनऊ द्वारा केला फ्यूजेरियम विल्ट वेबिनार में भाग लिया।
- दिनांक 23.08.2021 को रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा की शिक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की ।
- दिनांक 25.08.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा राज्यों हेतु आयोजित भा.कृ.अनु.प. क्षेत्रीय समिति संख्या VII की XXVI बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 26.08.2021 को "पूर्वी भारत में चावल-परती प्रबंधन" विषय पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता तथा मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी की ।
- दिनांक 31 अगस्त 2021 को आयोजित "सुखेत मॉडल" सम्मान समारोह की अध्यक्षता की।

शिक्षा एवं शैक्षणिक कार्य

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत पहली बार विश्वविद्यालय द्वारा पी.जी. डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स का शुरुआत किया गया है। एग्री वेयर हाउस मैनेजमेंट, कृषि पत्रकारिता और जनसंचार और कृषि पर्यटन में पर्यवेक्षी स्तर की नौकरियों के लिए प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। ये सर्टिफिकेट कोर्स कई नौकरियों जैसे नर्सरी प्रबंधन, प्लांट टिशू कल्चर, फार्म मैकेनाइजेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भ्रूण स्थानांतरण तकनीक और वरिष्ठ नागरिक सहायता के लिए कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को पूरा करेंगे। पीजी डिप्लोमा प्रोग्राम और सर्टिफिकेट कोर्स की प्रवेश प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई है और कुल 66 छात्रों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया है ।
- दिनांक 23 अगस्त, 2021 को दीक्षांत समारोह के सफल क्रियान्वयन हेतु लिए IXवीं शिक्षा परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- मत्स्य विज्ञान में स्नातक अंतिम वर्ष (बैच 2017-18) के इक्कीस छात्र/छात्राओं को मात्स्यिकी विज्ञान में सफलतापूर्वक स्नातक की उपाधि प्रदान की गई।
- मत्स्य विज्ञान स्नातक 7वें सेमेस्टर के छात्रों हेतु 10 दिवसीय वर्चुअल इन-प्लांट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन डॉ. एक्का सॉल्यूशन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के सहयोग से किया गया । यूनिवर्सिटी ऑफ अरकंसास, पाइनब्लफ, यू.एस.ए. के सहयोग से एक अन्य 10 दिवसीय वर्चुअल इन-प्लांट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के प्रांगण में 75वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। अधिष्ठाता डॉ. अशोक कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया तथा सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों और छात्रों को भी संबोधित किया।

- **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, मुजफ्फरपुर का 61वां स्थापना दिवस** माननीय कुलपति डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिकों, कर्मचारीयों और मीडियाकर्मीयो की उपस्थिति में मनाया गया । इस अवसर पर कुलपति महोदय ने अधिष्ठाता के पुनर्निर्मित कार्यालय कक्ष का उद्घाटन किया तथा कंद फसलों पर एक तकनीकी बुलेटिन भी जारी किया।

- **जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया और डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा** के बीच परस्पर सहयोग हेतु माननीय कुलपति डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव एवं चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय के उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। विश्वविद्यालय, सुरहा ताल क्षेत्र के विकास और रोजगार सृजन के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट विकसित करेगा। इस समझौता ज्ञापन से शिक्षकों एवं छात्रों का आदान-प्रदान भी संभव हो सकेगा। इस अवसर पर रा.प्र.के.कृ.वि.के कुलसचिव डॉ. पी. पी. श्रीवास्तव व चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के डॉ सुचेता प्रकाश, प्रो जी.एन तिवारी और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे ।
- **परामर्श वार्ता श्रृंखला का आयोजन** कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स बिहार चैप्टर द्वारा बिहार, झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के प्रतिभागियों के साथ एक परामर्श वार्ता श्रृंखला का वर्चुअल आयोजन किया गया । विभिन्न राज्यों के कृषि प्रोद्योगिकी विभागों में काम कर रहे शिक्षाविदों और कृषि इंजीनियरों के बीच संबंध को मजबूत करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया । कृषि अभियांत्रिकी के निदेशक, अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक एवं उप निदेशक सहित 80 से अधिक प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

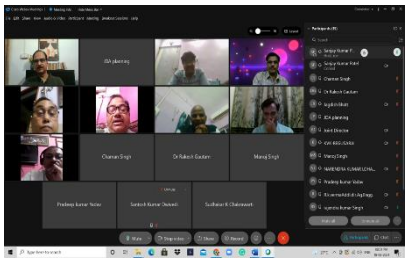

अनुसंधान

ऑन-फार्म प्रशिक्षण

बिहार के समस्तीपुर जिले के रामपुर समथू गांव में दिनांक 19.08.2021 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में चल रहे प्रोजेक्ट "किसान सहभागी संकर धान के बीज का उत्पादन" के तहत ऑन-फार्म प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

श्री प्रमोद कुमार जी, माननीय मंत्री, गन्ना उद्योग विभाग, बिहार सरकार ने दिनांक 18.08.2021 को विद्यापति सभागार, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, समस्तीपुर, बिहार में गन्ना उत्पादकों के लिए 'गन्ना उत्पादन, प्रसंस्करण और रोजगार सृजन' पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम बामेती, पटना द्वारा प्रायोजित किया गया।

➢ "खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन में प्रगति" विषय पर वर्चुअल राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

परियोजना निदेशक और टीम, जलवायु परिवर्तन पर उन्नत अध्ययन केंद्र (CASCC), डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने "खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन में प्रगति" विषय पर वर्चुअल नेशनल सेमिनार में भाग लिया। इसका आयोजन 26-27 अगस्त, 2021 के दौरान उन्नत कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र (सी.ए.ए.एस.टी), नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी (गुजरात) द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली के तहत किया गया। "खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए अग्रिम प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन " के विषय पर "उत्पादकता बढ़ाने के लिए चावल-गेहूं फसल प्रणाली में सुनिश्चित सिंचाई और जल प्रबंधन रणनीतियाँ" विषय पर पोस्टर तैयार कर प्रदर्शित किया गया।

दैनिक भास्कर पटना 18-08-2021

कृषि विकास पर टास्क फोर्स समिति की बैठक

फसल, बागवानी, पशुपालन विकास के लिए सरकार को सुझाव देंगे वैज्ञानिक

पटना | मध्य गंगा के मैदानी क्षेत्र बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि क्षेत्रों में फसल, बागवानी और पशुपालन विकास के लिए कृषि और पशुपालन वैज्ञानिक केंद्र और राज्य सरकार को रिपोर्ट देंगे। मंगलवार को मध्य गंगा के मैदानों में कृषि विकास की रणनीति विषय पर टास्क फोर्स समिति की बैठक डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. आरसी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई। संयोजक व आईसीएआर के निदेशक डॉ. उज्ज्वल कुमार ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में रणनीति के लिए बागवानी, जल संसाधन प्रबंधन, फसल प्रजनन रणनीति, पशु विज्ञान, मत्स्य पालन और विस्तार और लिंकेज के तहत छः उप-समितियों का गठन किया गया है। आईसीएआर की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शिवानी ने धन्यवाद दिया। आचार्य नरेंद्र देव कृषि व प्रौद्योगिकी विवि फैजाबाद के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, बिहार पशु विज्ञान विवि के कुलपति डॉ. रामेश्वर सिंह, बिहार कृषि विवि के कुलपति डॉ. अरुण कुमार, अपर निदेशक फसल डीपी त्रिपाठी, अटारी निदेशक डॉ. अंजनी कुमार सहित अन्य संस्थानों के वैज्ञानिक शामिल हुए।

➢ कृषि विकास पर टास्क फोर्स समिति की बैठक

बिहार और उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्रों तथा गंगा के मध्य मैदानी इलाकों में फसलों, बागवानी और पशुपालन के विकास के लिए दिनांक 17 अगस्त 2021 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की अध्यक्षता में टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। यह समिति केंद्र और राज्य सरकार को उक्त विषयों पर सुझाव देगी। बागवानी, जल संसाधन प्रबंधन, फसल प्रजनन रणनीतियां, पशुपालन, मछली पालन, प्रसार और लिंकेज पर छह उप-समितियां भी बनाई गईं।

प्रसार गतिविधियां

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र परसौनी** दिनांक 19 अगस्त 2021 को हाइड्रोपोनिक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया । कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष के द्वारा हाइड्रोपोनिक चारा के पोषण के महत्व एवं उसके निर्माण की प्रक्रिया के बारे में किसानों को जानकारी दी गयी। इस कृषि विज्ञान केन्द्र के 14 प्रगतिशील किसान नियमित रूप से हाइड्रोपोनिक तकनीक अपनाकर पशुओं के लिए चारे का प्रबंध कर रहे हैं ।

पशुपालकों को दी गई कई बातों की जानकारी

संसू, कुचायकोट (गोपालगंज) : कृषि विज्ञान केंद्र सिपाया तथा पूर्वी क्षेत्र के लिए अनुसंधान परिषद पटना के सहयोग से सिपाया गांव में पशु स्वास्थ्य शिविर सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने पशु पालकों को कई बातों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी उपलब्ध कराई।

शिविर के दौरान सिपाया, खेम मटहिनीया, काला मटहिनीया, तिवारी मटहिनीया, रूपछाप, तथा विजयपुर दियर आदि गांव के किसानों ने गाय, भैंस तथा बकरी की समस्याओं को बताया। जिसका समाधान शिविर में मौजूद डा. रामकृष्ण राय, वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डा. पंकज कुमार, वरीय वैज्ञानिक तथा वैज्ञानिक डा. मनोज त्रिपाठी ने किया। पशु चिकित्सक शिविर में मवेशी लेकर पहुंचे मवेशी पालक • जागरण

जागरूकता कार्यक्रम लाये गए पशुओं में कृमि तथा गर्भ धारण, किलनी तथा पाचन संबंधित समस्या पायी गयी। इसके लिए कृमि नाशक दवा, खनिज मिश्रण के टैबलट, किलनी नाशक दवा तथा पाचक पशुपालक किसानों को उपलब्ध कराया गया। जागरूकता कार्यक्रम में वीरेन्द्र राय, रामएकबाल राय, पप्पू यादव, प्रमोद राय, मोतीलाल राय आदि किसान शामिल हुए।

10 लीटर देसी शराब बरामद

बसंतपुर (सिवान) : थाना क्षेत्र के सोहिलपट्टी गांव में सोमवार की रात एएसआइ रामजी सिंह ने दलबल के साथ छापेमारी कर नंदलाल महतो के घर के पीछे झाड़ी से 10 लीटर देसी शराब बरामद की। वहीं धंधेबाज पुलिस की गाड़ी देखकर भागने में सफल रहे। इस मामले में नंदलाल महतो को आरोपित किया गया है।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, गोपालगंज सिपाया** के द्वारा पशु स्वास्थ्य जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में पशु रोग निदान के लिए डॉ. पंकज कुमार और डॉ. मनोज त्रिपाठी के साथ कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कैमाथिनिया, कलमाथिनिया, तीवारीमथानिया, रूपचाप और विजयपुर गाँव से लाये गये पशुओं के रोगों का निदान किया । इस कार्यक्रम में बाहरी टिक्स, पशु प्रजनन, आंत कीटाणु आदि के रोग निदान के बारे में पशुपालकों को जानकरी देने के साथ साथ निदान कार्य भी सफलतापूर्वक किया गया ।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र सरैया** द्वारा 26 अगस्त 2021 को आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रशिक्षण सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें 100 कृषकों व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । इस कार्यक्रम में कृषक महिलाओं के बीच पपीता के पौधों का वितरण किया गया तथा पोषण का मानव शरीर के लिए महत्व विषय किसानों को जानकारी दी गयी ।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द, सारण** द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 4-6 अगस्त 2021 को किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पोषण वाटिका के महत्व पर कृषकों को जानकारी उपलब्ध करायी गयी। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा तिल एवं अरहर की वैज्ञानिक खेती पर प्रशिक्षण का आयोजन भी किया गया ।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र, तुर्की** द्वारा दिनांक 16 अगस्त 2021 को रावे छात्रों के लिए विधि प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया । इसमें 11 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें फलों के प्रसारण तकनीक पर विधि प्रदर्शन द्वारा आम, आंवला एवं बेर के फलों में कलिकायन व ग्राफटिंग विधि द्वारा उन्नत फलदार पौधे तैयार करने सम्बन्धित जानकारी दी गयी । यह विधि प्रदर्शन डॉ. मोती लाल मीणा द्वारा सम्पादित किया गया।

- **कृषि विज्ञान केन्द्र, तुर्की** द्वारा आयोजित 15 दिवसीय समेकित उर्वरक प्रबंधन प्रशिण कार्यक्रम का समापन दिनांक 11 अगस्त 2021 को किया गया जिसकी अध्यक्षा डॉ. ऐ. के. सिंह अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली एवं डॉ. पी.पी. सिंह, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र ढोली ने की । इस कार्यक्रम में 40 उर्वरक विक्रेताओं ने भाग लिया और सफलता पूर्वक प्रमाण प्रत्र प्राप्त किया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की** ने दिनांक 28.08.2021 को "पोषण-वाटिका के महत्व" पर ई-चौपाल का आयोजन किया। डॉ. वाई. आर. मीणा, अतिरिक्त आयुक्त (कृषि), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली, भारत सरकार ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । कार्यक्रम में डॉ. एम. एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा , डॉ अनुपमा कुमारी (उप निदेशक, प्रसार शिक्षा) भी उपस्थित रहे । डॉ. वाई. आर. मीणा ने संतुलित आहार और किसानों के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की।
- **तकनीशियनो के लिए सूक्ष्म सिंचाई पर कौशल विकास कार्यक्रम**

  दिनांक 17.08.2021 से 16.09.2021 तक प्रिसिजन फार्मिंग डेवलपमेंट सेंटर (पी.एफ.डी.सी), कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा तथा भारतीय कृषि कौशल परिषद (ए.एस.सी.आई) के प्रिसिजन कृषि और बागवानी पर राष्ट्रीय समिति, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली द्वारा वित्त पोषित "सूक्ष्म सिंचाई तकनीशियन" पर एक महीने की अवधि का एक कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण में बिहार के सात जिलों के अट्ठाईस किसानों और तकनीशियनों ने भाग लिया । उद्घाटन समारोह को श्री पंकज त्यागी, निदेशक, वर्षा आधारित कृषि प्रणाली, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार नयी दिल्ली ने संबोधित किया। सम्मानित अतिथि के रूप में, डॉ एम एस कुंडू, निदेशक, प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, श्री आनंद ज़ाम्ब्रे, ई.डी, एन.सी.पी.ए.एच, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

पुरस्कार, खेलकूद, आमंत्रित व्याख्यान, भागीदारी और अन्य गतिविधियां

- डॉ. एम.एल मीणा वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने 22-31 अगस्त, 2021 के दौरान "प्रसार अनुसंधान और मूल्यांकन पद्धति में प्रगति" पर भा. कृ. अनु. प.-नार्म, हैदराबाद द्वारा आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- डॉ. रवीश चंद्र, सहायक प्राध्यापक, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूसा ने 21-22 अगस्त, 2021 के दौरान आयोजित 5वें विश्व जल शिखर सम्मेलन-2021 में "उत्तरी बिहार के जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए अभिनव सिंचाई और जल निकासी विकल्प" विषय पर एक मुख्य प्रस्तुति दी।

- **कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूसा एलुमनी एसोसिएशन** ने 28 अगस्त, 2021 को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एलुमनी व्याख्यान श्रृंखला के 7 वें विचार-विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ सत्य प्रिया, वरिष्ठ जल संसाधन प्रबंधन विशेषज्ञ, विश्व बैंक और कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूसा (1989 बैच) के पूर्व छात्र ने "भारत में जल संसाधन प्रबंधन" पर एक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान श्रृंखला की अध्यक्षता डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि.,पूसा और सह-अध्यक्षता डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय ने की।
- **रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में "मन की बात" का बधाई और अभिनंदन समारोह**

  "मन की बात" के 80 वें संस्करण पर प्रधान मंत्री मोदी जी द्वारा "सुखेत मॉडल" की सराहना के पश्चात् 31 अगस्त 2021 को बधाई और सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, को सुखेत मॉडल के विचार को विकसित करने के लिए उपस्थित सभी वैज्ञानिकों ने उनके सराहनीय प्रयास के लिए सम्मानित किया । इस अवसर पर डॉ. रत्नेश कुमार झा, प्राध्यापक, क्लाइमेट चेंज, डॉ. एम. सी. मन्ना, प्राध्यापक, मृदा विज्ञान ,डॉ. शंकर झा, सहायक प्राध्यापक, मृदा विज्ञान, डॉ. एस.पी सिंह, सहायक प्राध्यापक, मृदा विज्ञान, डॉ सुधीर दास, अध्यक्ष, के.वी.के. सुखेत, डॉ सर्वेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, आर.आर.एस., झंझारपुर और वैज्ञानिकों की पूरी टीम को पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह, शॉल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन पर पूरे विश्वविद्यालय द्वारा इस टीम को सराहा एवं बधाई दिया गया।

दैनिक भास्कर पटना 18-08-2021

कृषि विकास पर टास्क फोर्स समिति की बैठक

फसल, बागवानी, पशुपालन विकास के लिए सरकार को सुझाव देंगे वैज्ञानिक

पटना | मध्य गंगा के मैदानी क्षेत्र बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि क्षेत्रों में फसल, बागवानी और पशुपालन विकास के लिए कृषि और पशुपालन वैज्ञानिक केंद्र और राज्य सरकार को रिपोर्ट देंगे। मंगलवार को मध्य गंगा के मैदानों में कृषि विकास की रणनीति विषय पर टास्क फोर्स समिति की बैठक डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के कुलपति डॉ. आरसी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई। संयोजक व आईसीएआर के निदेशक डॉ. उज्वल कुमार ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में रणनीति के लिए बागवानी, जल संसाधन प्रबंधन, फसल प्रजनन रणनीति, पशु विज्ञान, मत्स्य पालन और विस्तार और लिंकेज के तहत छः उप-समितियों का गठन किया गया है। आईसीएआर की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शिवानी ने धन्यवाद दिया। आचार्य नरेंद्र देव कृषि व प्रौद्योगिकी विवि फैजाबाद के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, बिहार पशु विज्ञान विवि के कुलपति डॉ. रामेश्वर सिंह, बिहार कृषि विवि के कुलपति डॉ. अरुण कुमार, अपर निदेशक फसल डीपी त्रिपाठी, अटारी निदेशक डॉ. अंजनी कुमार सहित अन्य संस्थानों के वैज्ञानिक शामिल हुए।

प्रतिकूल मौसम से जूझते किसानों की चिंता

यूपी के चंद्रशेखर व पूसा कृषि विवि में समझौते पर हस्ताक्षर

पूसा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा एवं उत्तरप्रदेश के जननायक चंद्रशेखर विवि के बीच बुधवार को सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। सहमति पत्र पर पूसा कृषि विवि के कुलपति डॉ. रमेशचन्द्र श्रीवास्तव एवं चंद्रशेखर विवि की कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय ने हस्ताक्षर किया।

इस समझौते के अनुसार अब दोनों विवि के बीच प्राध्यापकों एवं छात्रों का आदान प्रदान हो सकेगा। मौके पर कुलपति डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि जननायक विवि में एक नोडल अधिकार की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। जो दोनों विवि के बीच समन्वय स्थापित करेगा। कुलसचिव डॉ. पीपी श्रीवास्तव एवं निदेशक शिक्षा डा. एमएन झा ने कहा कि सुरहा ताल (बलिया, यूपी) के संरक्षण एवं इस पर आधारित रोजगार की संभावनाओं पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करेंगे। दोनों विवि मिलकर इस पर एक वृहद परियोजना तैयार करेंगे। जिससे इस क्षेत्र का विकास हो सके। कुलसचिव ने बताया कि पिछले पचास वर्षों में सुरहा में पानी की गुणवत्ता काफी खराब हुई है। इससे मछलियों की दस प्रजाति विलुप्त हो गयी है। समारोह में डॉ. शिवेंद्र कुमार, प्रो. जीएन तिवारी, डॉ. सुचेता प्रकाश आदि मौजूद थे।

जागरण

बिहार के गांव में कचरा और गोबर के बदले मिल रहा रसोई गैस सिलेंडर, जानें क्या हुआ फायदा

02.09.2021 प्रभात खबर 06

कार्यक्रम. सुखेत मॉडल बिहार के लिए है गौरव का विषय

कृषि विज्ञान केंद्र सुखेत के वैज्ञानिकों को किया सम्मानित

10 NEWS

Sukhet's villagers trade waste for wellness, get free LPG refills

Villagers who provide 20 kg of cow dung and farmyard waste a day for vermicomposting receive free fuel in a novel project in Madhubani district of Bihar

प्रधानमंत्री से मिली सराहना से गदगद हुआ कृषि विवि

सुखेत मॉडल

मधुबनी के सुखेत गांव में कूड़े की कटाई की मशीन व सूखा-गिरा कूड़ा जमा करने वाले डीस्टबीन।

सुखेत माडेल से उज्जवला योजना को शक्ति : कुलपति

सा, संस : डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय षि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित खेत माडल की पीएम द्वारा की गई र्चा के बाद विवि कर्मी फूले नहीं मा रहे हैं। मंगलवार को विवि परिसर सुखेत माडल से जुड़े विज्ञानियों एवं लपति के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह विवि के सभी डीन डायरेक्टर ने लपति के नेतृत्व की प्रशंसा की। ह हम सभी के लिए गर्व की बात कि प्रधानमंत्री ने इस मॉडल की शंसा की। विज्ञानियों ने फादर ऑफ खैत मॉडल की उपाधि कुलपति को ने की मांग भी मंच से की। मौके पर लपति डा. आरसी श्रीवास्तव ने कहा क यह मॉडल उज्ज्वला योजना को क्ति देने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस मॉडल को विस्तार करने के लिए रोड मैप बनाया जा रहा है। इसमें सरकार के मनरेगा योजना, स्वच्छता मिशन, पंचायत की भूमिका सभी को समाहत किया जाएगा। जल्द ही इसका विस्तारीकरण भी होगा। कुलपति ने कहा कि मधुबनी के बाद मोकामा और अगले महीने सुपौल में भी इस योजना को विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य के लिए आत्मविश्वास और ईमानदार प्रयास की जरूरत है। इसके जरिए हम अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। मौके पर सुखैत मॉडल से जुड़े कुलपति सहित विज्ञानी डॉ. शंकर झा, डॉ सर्वेश कुमार, डॉ. सुधीर दास, डॉ. एसएस प्रसाद, डॉ. एस पी सिंह, डॉ एस सी मन्ना, डॉ रत्नेश कुमार झा को विश्व विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। मौके पर डीन पीजी डॉ. के एन सिंह, डॉ. पी पी श्रीवास्तव, डॉ. एमएम झा, डॉ. ए के सिंह, डॉ. मीरा सिंह, डॉ अमरीश कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी कर्मी मौजूद रहे। मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सतीश कुमार ने किया।

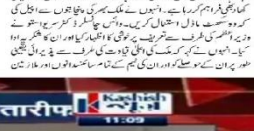

वैज्ञानिकों को सम्मानित करते कुलपति डा. आरसी श्रीवास्तव • जागरण

कार्यक्रम
- सुखेत माडल से जुड़े विज्ञानियों को किया गया सम्मानित
- कहा - कुलपति को मिले फादर आफ सुखेत मॉडल की उपाधि

मन की बात में बोले पीएम, हर पंचायत अपनायें मधुबनी का सुखेत मॉडल

रोटी और रोजगार दे रहा 'सुखेत मॉडल'

सुखेत मॉडल अपना कचरे से कंचन बन रहा मछदी गांव

THE TIMES OF INDIA

PM Modi praises Sukhet model of Madhubani

TOI

وزیر اعظم نے کہا کہ ہر گاؤں کو سکھیت ماڈل اپنانا چاہیے

पीएम ने डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के सुखैत मॉडल को सराहा